भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं.4861

जिसका उत्तर 25.03.2021 को दिया जाना है

भारतमाला परियोजना

4861. श्री लल्लू सिंह:

श्री तापिर गाव:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतमाला परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है:

(ख) आज की तिथि के अनुसार पूरा किए गए परियोजना के विभिन्न चरणों के अंतर्गत परियोजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) शेष परियोजनाओं को कब तक पूरा किए जाने की संभावना है;

(घ) क्या उपरोक्त परियोजनाओं की लागत में वृद्धि हो गई है; और

(ड.) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ड.): भारत सरकार ने अक्टूबर, 2017 में लगभग 5,35,000.00 करोड़ रुपए की लागत वाले 34,800 किमी (10,000 किमी अवशिष्ट राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम सहित) की कुल लंबाई के साथ लगभग 9,000 किमी लंबाई के आर्थिक गलियारों के विकास के लिए, इंटर-कॉरिडोर और फीडर सड़कों की लगभग 6,000 किलोमीटर की लंबाई, राष्ट्रीय गलियारों की 5,000 किमी लंबाई में सुधार, सीमा और अंतर्राष्ट्रीय संपर्कता सड़कों की लगभग 2,000 किलोमीटर लंबाई, 2,000 के बारे में तटीय और पोर्ट संपर्कता सड़कों की लंबाई, एक्सप्रेसवे की लगभग 800 की लंबाई के विकास के लिए भारतमाला परियोजना चरण-I को मंजूरी दी थी। इसमें से 470,634 करोड़ रुपए की कुल लागत के साथ 16,646 किलोमीटर की लंबाई वाली परियोजनाएं मंजूर की गई हैं और शेष लंबाई के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट वर्ष 2023 तक लक्षित और वर्ष 2025 तक पूरा करने के लिए इन परियोजनाओं के सौंपे जाने के साथ शुरू की गई है और भारतमाला परियोजना चरण-I के तहत 4,817 किलोमीटर की लंबाई पूरी की जा चुकी है। अब तक, भारतमाला परियोजना के तहत सौंपी गई परियोजनाओं की कुल लागत भारतमाला योजना चरण-I के अनुमोदित परिव्यय के भीतर है। सरकार भूमि अधिग्रहण को कम करने के साथ-साथ निर्माण लागत के साथ-साथ वैकल्पिक निर्माण प्रौद्योगिकियों के उपयोग से बेहतर राजमार्ग डिजाइन और संरेखण के अनुकूलन को बढ़ावा दे रही है।

*****